हिन्दी पखवाड़ा 2013 के आयोजन के संबंध में रिपोर्ट

सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबंध संस्थान में इस वर्ष 01-14 सितंबर, 2013 तक हिन्दी पखवाड़ा आयोजित किया गया । पखवाड़े के दौरान विभिन्न संकाय सदस्यों की देखरेख में आठ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया । हिन्दी टंकण, हिन्दी आशुलिपि, मल्टी टास्किंग स्टाफ के लिए हिन्दी सुलेख प्रतियोगिता, हिन्दी निबंध, हिन्दी श्रुतलेख व वर्तनी, स्लोगन प्रतियोगिता, हिन्दी में टिप्पण व प्रारूप लेखन तथा प्रशासन एवं प्रशिक्षण शब्दावली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । इस पखवाड़े के दौरान संघ की राजभाषा नीति पर एक हिन्दी कार्यशाला का भी आयोजन किया गया जिसमें संस्थान के 15 अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लिया ।

2. 13 सितंबर, 2013 को हिन्दी पखवाड़े के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आरंभ निदेशक महोदय को बुके भेंट करके किया गया । इस अवसर पर एक सांस्कृतिक समूह को सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करने के लिए आमंत्रित किया गया था । समारोह का शुभारंभ गुरू वंदना से किया गया जिसे कलाकारों द्वारा एक मनमोहक नृत्य द्वारा प्रस्तुत किया गया ।

3. इस के पश्चात् संस्थान की एक संकाय सदस्या द्वारा श्री सुशीलकुमार शिंदे, माननीय गृह मंत्री, भारत सरकार का हिन्दी दिवस के अवसर पर देशवासियों के नाम जारी संदेश पढ़ कर सुनाया गया । संदेश में विभिन्न सरकारी कार्यालयों में हिन्दी में टिप्पण व पत्राचार को पर्याप्त रूप से प्रोत्साहित करने तथा कम्प्यूटर उपकरणों में हिन्दी में काम करने की सुविधा पर बल दिया गया । समारोह में उपस्थित सभी श्रोताओं ने ध्यान से गृह मंत्रीजी के इस संदेश को सुना ।

4. इसके बाद कलाकारों द्वारा एक स्वागत गीत के माध्यम सभी का अभिनंदन किया गया । गीत के बोल कुछ इस प्रकार थे:

''हिन्दी के इस समारोह में सबका स्वागत है,
हो सम्मान सदा हिन्दी का यही चाहत है ।
अब तो हम आज़ाद हैं, फिर क्यूं न हिन्दी अपनाएं,
सदियों रही गुलाम जो हिन्दी, अब तो शान बढ़ाएं,
हिन्दी बोलें हिन्दी लिखें क्यों इससे कतराएं,
अपना हर इक कार्य सदा हिन्दी में कर दिखलाएं,
सदियों बाद मिली हिन्दी को अब तो राहत है ।''

सांस्कृतिक समूह के एक कलाकार द्वारा हिन्दी की स्तुति करते हुए एक कविता पाठ भी प्रस्तुत किया गया । इस प्रेरणात्मक कविता के कुछ शब्द नीचे प्रस्तुत हैं:

''आओ मातृभूमि का वंदन करें हम,
हिन्दी का अभिनंदन करें हम ।।
कड़ियां टूटे मानसिक बंधन की,
पिंजरे का अब द्वार खोले हम,
फिरंगी का अभिशाप हटा,
निज भाषा का सम्मान करें हम ।''

कलाकारों द्वारा दर्शकगण के सभी वर्गों की रुची को ध्यान में रखते हुए लोक नृत्यों, लघु नाटिका तथा भारतीय चलचित्रों के प्रसिद्ध गीतों का एक रंगारंग समागम प्रस्तुत किया गया । कार्यक्रम के अंत में निदेशक महोदय द्वारा कलाकारों को धन्यवाद स्वरूप भेंट प्रदान की गई ।

5. तत्पश्चात, निदेशक महोदय ने अपने कर-पल्लवों से विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए । संस्थान में लागू राजभाषा प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत दस पुरस्कार प्रदान किए गए । पुरस्कार वितरण के बाद निदेशक महोदय ने सभा को संबोधित किया ।

6. निदेशक महोदय ने समारोह में उपस्थित सप्रप्रसं के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा हिन्दी की पुस्तकें पढ़ने पर ज़ोर दिया चाहे वे पारम्परिक श्रेणी की हों अथवा आधुनिक युग के लेखकों द्वारा रचित हों । चूंकि वाचन से ही किसी व्यक्ति के भाषा संबंधी कौशल में वृद्धि हो सकती है । उन्होंने सरकारी कार्य में हिन्दी के अधिकाधिक प्रयोग की आवश्यकता पर बल दिया । उन्होंने कहा कि यह हम सबका कर्त्तव्य है कि हम सरकारी कामकाज में सरल, सहज व बोलचाल की हिंदी का प्रयोग करें । उन्होंने कार्यालय में हिन्दी के सुगम प्रयोग हेतु आश्वासन भी दिया ।

7. उन्होंने कहा कि हिन्दी प्रभाग ने हिन्दी पखवाड़ा के उपलक्ष्य में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की हैं । इन प्रतियोगिताओं में हमारे संस्थान के संकाय सदस्यों/अधिकारियों/कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया है । उन्होंने अपेक्षा की कि सभी प्रतिभागी हिंदी के प्रचार-प्रसार को अपना हर संभव समर्थन देंगे । उन्होंने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी । उन्होंने हिन्दी पखवाड़े के सफल आयोजन पर सभी को धन्यवाद दिया ।

8. अंत में उप निदेशक(प्रशा.) ने माननीय निदेशक महोदय का आभार व्यक्त किया और कहा कि उन्होंने अपना बहुमूल्य समय देकर व अपने बहुमूल्य विचारों से इस समारोह की शोभा बढ़ाई तथा अपने कर-पल्लवों से पुरस्कार प्रदान करके पुरस्कारों की मान्यता में वृद्धि की । उन्होंने सांस्कृतिक समूह द्वारा सुन्दर रंगारंग कार्यक्रम पेश करने के लिए उनकी सराहना की । उन्होंने हिन्दी पखवाड़े के सफलतापूर्वक सम्पन्न होने में उन सभी संकाय सदस्यों, जिन्होंने इस कार्यक्रम में अपना योगदान दिया, को धन्यवाद दिया । उन्होंने विशेष तौर पर हिन्दी प्रभाग की सराहना की कि उन्होंने हिन्दी पखवाड़े का सम्पूर्ण कार्यक्रम बहुत ही कुशलतापूर्वक सम्पन्न किया । उन्होंने प्रतियोगिताओं में पुरस्कृत हुए सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को बधाई दी ।

9. अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ ।

.....